Volume: 2 Issue: 12 Pages: 44-54

महाविद्यालय में अध्ययनरत युवाओं में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के प्रति जागरूकता का परीक्षण: एक अध्ययन

[*1] डॉ. महेन्द्र त्रिपाठी

[*1] असिस्टेंट प्रोफेसर, (अर्थशास्त्र), काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ज्ञानपुर, भदोही, उतार प्रदेश भारत ।

Article Info.
E-ISSN: 2583-6528
Impact Factor (SJIF): 5.231
Peer Reviewed Journal
Available online:
www.alladvancejournal.com

Received: 20/Nov/2023
Accepted: 24/Dec/2023

***Corresponding Author**
डॉ. महेन्द्र त्रिपाठी
असिस्टेंट प्रोफेसर, (अर्थशास्त्र), काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ज्ञानपुर, भदोही, उतार प्रदेश भारत ।

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के प्रति जनजागरुकता का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है । प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का प्रमुख उद्देश्य भारत के युवाओं के बेहतर जीवन जीने योग्य उनकी शिक्षा और रुचि के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करते हुए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में उनका सहयोगी बनना है जिससे राष्ट्र के आर्थिक उत्पादकता में उनकी उत्पादकता सुनिश्चित हो सके। उत्तर प्रदेश के भदोही जनपद के युवाओं में किया गया यह अध्ययन इस योजना के और अधिक प्रचार प्रसार और सुलभ बनाए जाने को उद्घाटित करता है । अध्ययन में दो तिहाई उत्तरदाता यह मानते हैं कि कौशल विकास की योजनाओं से देश की बेरोजगार युवा आबादी को नियोजित होने में अधिक सफलता प्राप्त होती है और इससे जनांकिकीय लाभांश का बेहतर लाभ उठाया जा सकता है । 80% युवाओं का मानना है कि किसी व्यावसायिक कोर्स के प्रशिक्षण से व्यक्ति की आय में वृद्धि होती है परंतु केवल 58% युवा विद्यार्थी ही यह बता पा रहे हैं कि उनके यहाँ यह योजना संचालित है। यह योजना पूरे राज्य और भदोही में भी क्रियान्वित हो रही है। 85.2% विद्यार्थी यह स्वीकार करते हैं कि अध्ययन के साथ साथ विद्यार्थियों को कोई न कोई कौशल विकास का ज्ञान प्रदान करना आवश्यक है । एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी प्राप्त हुआ कि लगभग 46% विद्यार्थियों को कौशल विकास कोर्स की जानकारी अपने वर्तमान महाविद्यालय के प्राध्यापकों से प्राप्त हुई जबकि पूर्व के अध्ययन किये हुये इन्टर कॉलेज से जानकारी प्राप्त होने की बात मात्र 10% विद्यार्थी ही स्वीकार करते हैं । यह एक निराशाजनक तथ्य है। एक ऐसी समेकित अनलाइन प्रणाली बनाने की आवश्यकता है जिसमें हाई स्कूल में अध्ययनरत प्रत्येक विद्यार्थी का नामांकन हो और उसको प्राप्त होने वाली कौशल विकास कोर्स की भी जानकारी अद्यतन होनी चाहिए ।ग्रामीण भारत की बुनियादी लोकतान्त्रिक इकाई पंचायती राज संस्थाओं की सहभागिता सभी युवाओं को कौशल विकास कोर्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने में बहुत प्रभावी हो सकती है ।

मुख्य शब्द: प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, व्यावसायिक कोर्स, जनांकिकीय लाभांश ।

परिचय

विकसित भारत के निर्माण की दिशा में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना एक अनूठी पहल है जिसका आरम्भ "मेक इन इण्डिया" की नींव को मजबूत बनाने के लिए किया गया है ।इस योजना का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्र के युवाओं को उद्योग तथा कौशल आधारित सार्थक प्रशिक्षण प्रदान करना है। भारत की आधी से अधिक आबादी युवा है और लगभग 70 प्रतिशत आबादी ग्रामीण है जहाँ कौशल प्रशिक्षण का नितांत अभाव परिलक्षित होता है। देश के युवाओं में कौशल विकास के अभ्युदय के लिए भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की शुरुआत वर्ष 2015 में की गई थी। भारत के सबसे बड़े और व्यापक कौशल प्रमाणन का कार्यक्रम-प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का शुभारंभ अंतर्राष्ट्रीय युवा कौशल दिवस 15 जुलाई को किया गया इस योजना के क्रियान्वयन के पश्चात वर्ष 2016-2020 की अवधि के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का द्वितीय चरण प्रारम्भ हुआ।पुनः भारत सरकार द्वारा इस योजना का तीसरा चरण वर्ष 2020 में शुरू किया गया ।

इस योजना को मिनिस्ट्री ऑफ रिकल डेवलपमेंट एण्ड एंट्रेप्रेनशिप द्वारा नियत्रित और नियमित किया जाता है। इस मन्त्रात्स्य का मुख्य

कम युवाओं के लिए अवसरों का निर्माण करना है ताकि इन अवसरों में वे अपना पसदीदा मार्ग चुनकर अपना भविष्य उस मार्ग की सहायता से बना सके। इस योजना के तहत युवाओं को विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाता है।प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अन्तर्गत ऐसे युवाओं का लाभ मिलेगा जो दसवीं और बारहवी करके पढ़ाई छोड़ चुके है और उनके पास कोई भी रोजगार नहीं है । कुछ युवा गरीबी के कारण या किसी अन्य कारण से पढ़ाई छोड़ देते हैं ऐसे युवाओं को यह योजना आगे लेकर आयेगी ताकि ऐसे युवाओं को ट्रेनिंग दी जाए और उनको रोजगार में मदद की जाय। ट्रेनिग के बाद इन युवाओं को प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाता है जिससे वह आगे रोजगार प्राप्त करने में यही उनकी सहायता करे।इस योजना की विशेष बात यह भी है कि जो छात्र प्रशिक्षण के दौरान अच्छा प्रदर्शन करेंगे उन्हें नगद पुरस्कार भी दिया जायेगा जिससे वह आगे और अधिक प्रेरित हो सकें। इस योजना के तहत 49 प्रतिशत रोजगार दर में वृद्धि हुई है। गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने वाली इस योजना के तहत आवेदक को स्वयं ऑनलाइन आवेदन करना होता है । प्रशिक्षण के उपरान्त वह युवा छात्र अपना खुद का बिजनेस प्रारम्भ कर सकते है इसमें केन्द्र सरकार भी उनकी मदद करेगी ।

यूनाईटेड नेशन्स पाप्यलैशन फंड की द स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट, 2023 के अनुसार 142.86 करोड़ की आबादी के साथ भारत चीन को पीछे छोड़कर दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन चुका है ।सम्पूर्ण राष्ट्र में कौशलविकास को प्रोत्साहित कने और बढ़ावा देने हेतु इस योजना के अन्तर्गत युवाओं को सीमित अवधि के लिए मुफ़्त प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है इसके लियें राष्ट्रीय कौशल विकास निगम को निर्देशित किया जाता है कि MSDE द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना को कैसे क्रियान्वित किया जाय । इस योजना के मुख्य घटकों में अल्पकालीन प्रशिक्षण (2 से 6 माह की अवधि की) के अतिरिक्त विशेष परियोजनाएँ और कौशल/ रोजगार मेले का आयोजन भी सम्मिलित है ।प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2015-16 (PMKVY 1.0) में कुल 19.85 लाख युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।प्रथम चरण के सफल क्रियान्वयन के पश्चात 2016-2020 की अवधि के लिए PMKVY 2.0 प्रारम्भ किया गया जिसका प्रमुख लक्ष्य वर्ष 2020 तक 10 मिलियन युवाओं को प्रशिक्षित करना था । भारत दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है, और यहां ऐसे युवाओं की बड़ी संख्या है जिन्हें देश के अंदर और बाहर दोनों जगह रोजगार के अवसरों की आवश्यकता है। इस परिस्थिति के कारण, व्यक्तियों को एक सफल फर्म को चलाने या रोजगार के लिए उचित प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। इस प्रकार, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना बड़ी संख्या में काम के अवसर पैदा करने में योगदान देगा। इसके फलस्वरूप देश की अर्थव्यवस्था वैश्विक संदर्भ में एक महत्वपूर्ण स्थान बना सकती है।रोजगार क्षमता और समावेशी विकास में सुधार करके गरीबी में कमी को दूर करने के लिए कौशल विकास एक महत्वपूर्ण चालक है। यह उच्च उत्पादकता, रोजगार के अवसरों में वृद्धि, आय में वृद्धि और समग्र विकास के एक चक्र की सुविधा देता है यूनिसेफ की रिपोर्ट (2019) का अनुमान है कि कम से कम 47% भारतीय युवा 2030 में रोजगार के लिए आवश्यक शिक्षा और कौशल हासिल करने के रास्ते पर नहीं हैं। एक और अध्ययन अनुमान है कि प्रत्येक वर्ष स्नातक होने वाले 50 लाख छात्रों में से केवल 20% को ही भारत में रोज़गार मिलता है। खराब रोजगार योग्यता का अंतर्निहित प्राथमिक कारण यह है कि अक्सर छात्रों द्वारा अर्जित कौशल और नियोक्ता द्वारा आवश्यक कौशल के बीच मांग-आपूर्ति का अंतर होता है। कौशल बेमेल को दूर करने के लिए, भारत सरकार ने हाल के वर्षों में कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) और इसके दायरे में विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY की स्थापना की है।प्रधानमंत्री द्वारा 15 जनवरी 2021 को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तीसरे चरण की शुरुवात (PMKVY 3.0) हुई । पुनश्च वित्त वर्ष 2023-24 का बजट प्रस्तुत करते हुये वित्तमंत्री द्वारा आने वाले 3 सालों के लिये कौशल विकास योजना का चौथा चरण (PMKVY 4.0) के शुरुवात की बात काही गई है जिसका एक महत्वपूर्ण लक्ष्य देशभर में 30 सकिल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर भी खोले जाएंगें जहां पर युवाओं को ऑन जॉब प्रशिक्षण, उद्योग साझेदारी और उद्योग की जरूरत के अनुरूप पाठ्यक्रम संरेखण किये जाने की बात कही गई है ।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के प्रमुख उद्देश्य –

- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का प्रमुख उद्देश्य भारत के युवाओं के बेहतर जीवन जीने योग्य उनकी शिक्षा और रुचि के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करते हुए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में उनका सहयोगी बनना है जिससे राष्ट्र के आर्थिक उत्पादकता में उनकी उत्पादकता सुनिश्चित हो सके ।
- देश के अधिकांश युवाओं में कई ऐसी प्रतिभा भी है जो कारगार है किन्तु किसी कारण से लोगों तक नहीं पहुंच पा रही है, सरकार कौशल विकास योजना के माध्यम से उन्हे विकसित करना चाहती है।
- इस योजना के अंतर्गत प्राप्त किया गया सर्टिफिकेट समस्त भारत में मान्य होगा। एक न्यूनतम शुल्क के साथ सरकार युवाओं को प्रशिक्षित कर सर्टिफिकेट प्रदान करती है। इसके माध्यम से युवाओं को निजी अथवा सरकारी क्षेत्रों में रोजगार के सुअवसर प्राप्त हो सकेंगे।
- इस योजना के तहत युवाओं को उत्कृष्ट स्तर का अनुभव विशेषज्ञों द्वारा प्रतिशित किया जाएगा ताकि उन्हें उनके चयनित क्षेत्र सबधी हर तरह का ज्ञान हो सके ।
- कौशल विकास योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रोजगार प्राप्त करवाना है।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के अनुसार प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में 2022 तक सभी युवाओं को रोजगार मिलना चाहिए परन्तु यह तभी सम्भव है जब उनको कौशल के अनुसार ट्रेनिग दी जायेगी। यह ट्रेनिग उनको रोजगार की तरफ ले जायेगी ।
- स्कूल बीच में छोर देने वाले विद्यार्थियों के लिये प्रविधान सुनिश्चित कर सरकार उन्हे उद्योग से जुड़े प्रशिक्षण प्रदान कराती है ।

अध्ययन के उद्देश्य एवं शोध प्रविधि

प्रस्तुत अध्ययन में यह जानने का प्रायस किया गया है कि जनपद भदोही के युवाओं (जो इन्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं)में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के बारे में कितनी जागरूकता हैं? यह योजना उन्ही युवाओं के लिये विशेष रूप से संचालित की गई है जो इन्टरमीडिएट/हाईस्कूल स्तर तक का अध्ययन कर चुके हैं और तकनीकी क्षेत्र का कौशल प्राप्त करना चाहते हैं । स्नातक मे अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों से यह प्रत्याशा होती है कि उन्हें युवाओं को कौशल और रोजगार उपलब्ध कराने वाली योजनाओं की भलीभाति जानकारी अवश्य होगी । अध्ययन हेतु मौलिक निष्कर्ष प्राप्त करने हेतु प्राथमिक आंकड़ों को प्रयुक्त किया गया है । वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जनपद भदोही की कुल जनसंख्या 1578213 है जिसमें 807099 पुरुष एवं 771114 महिलायें हैं। जनपद की कुल जनसंख्या में नगरीय और ग्रामीण आबादी क्रमशः 14.5% (229302) एवं 85.5% (1348911) थी।जनपद के 3 तहसीलों और 6 विकासखण्डों के अन्तर्गत फैली आबादी की कुल साक्षरता 68.97 है जिसमें पुरुषों और महिलाओं के साक्षर होने की प्रतिशतता क्रमशः 81.47 और 56.3 थी । जनपद की नगरीय साक्षरता 73.17% तथा ग्रामीण साक्षरता 68.24% थी । काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर भदोही उत्तर प्रदेश का

सबसे प्राचीन और बड़ा महाविद्यालय है जिसमें वर्तमान में लगभग 7000 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं । आंकड़ों के एकत्रीकरण हेतु प्रश्नावली बनाकर 200 उत्तरदाता विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे गये । इस प्रकार अध्ययन हेतु प्रतिदर्श का आकार (Sample size) कुल जनसंख्या का लगभग 3% प्रतिदर्श आकार यादृच्छिक रूप से चयन किया गया ।प्राथमिक सर्वेक्षण का यह कार्य जुलाई 2023 में किया गया ।

आंकड़ों का विश्लेषण

प्राथमिक अध्ययन के प्राप्त निष्कर्षों को निम्नलिखित रूप से समझा जा सकता है:

अध्ययन में कुल उत्तरदाताओं में छात्रों की कुल संख्या 91 थी जबकि छात्राओं की संख्या 109 थी । इस प्रकार प्रतिदर्श में लिंग के आधार पर उत्तरदाताओं (छात्राओं और छात्रों की) प्रतिशतता क्रमशः 54.5% और 45.55 थी जिसे इस पाई चार्ट में दिखया गया है –

1. लिंग

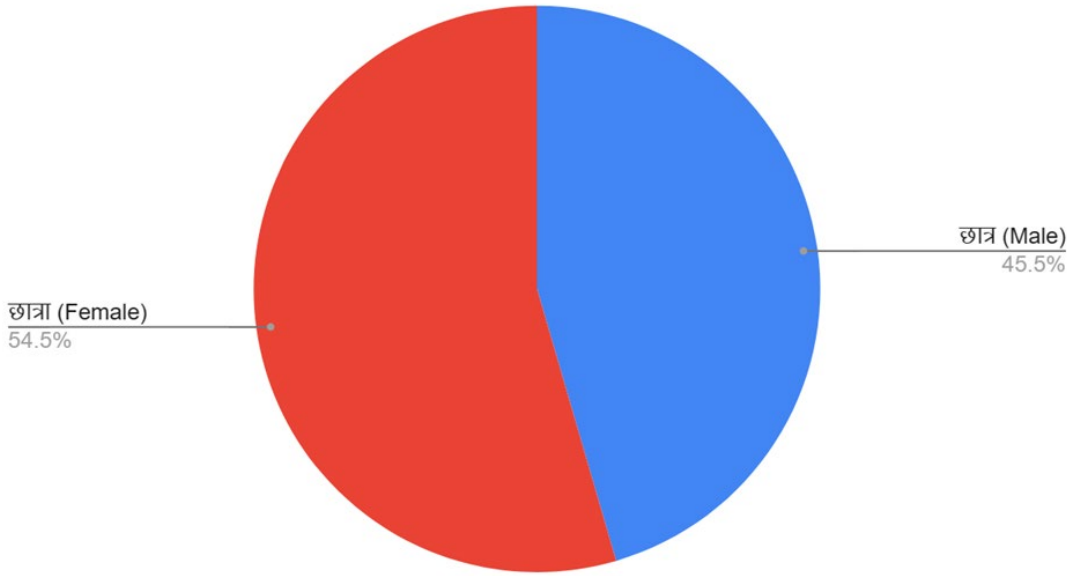

2. समुदाय (Category): प्रतिदर्श में जो विद्यार्थी सम्मिलित थे उनमें विभिन्न जातियों की सहभागिता निम्नलिखित थी -

क्रमांक	जाति	संख्या
1.	सामान्य	81
2.	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	93
3.	अ. जा. (S.C.)	26
	कुल संख्या	200

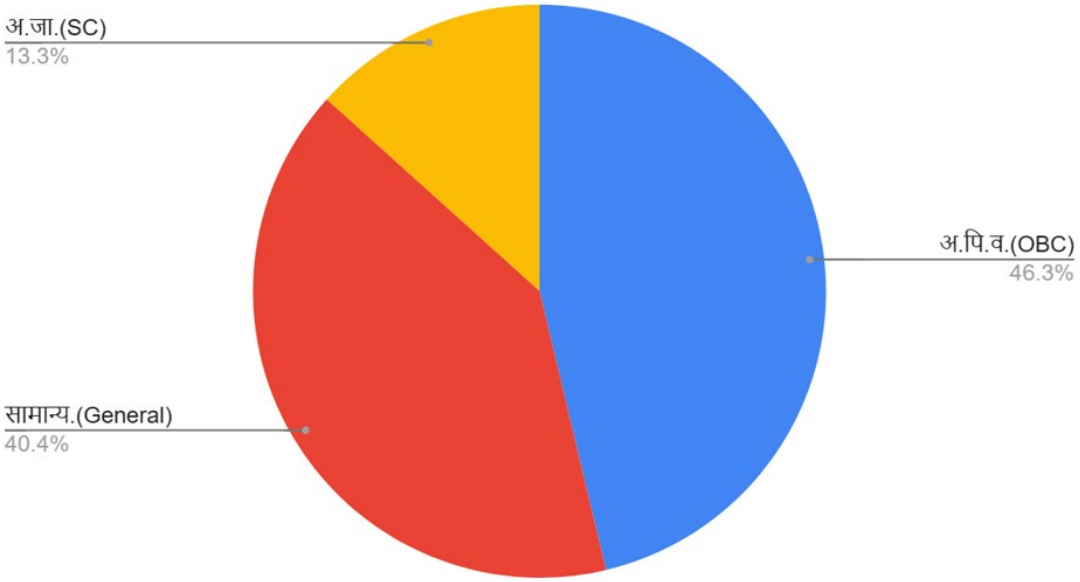

3. **जब उत्तरदाताओं से उनके अध्ययन का स्ट्रीम पूछा गया तो उनके जबाव निम्न प्रकार थे -**

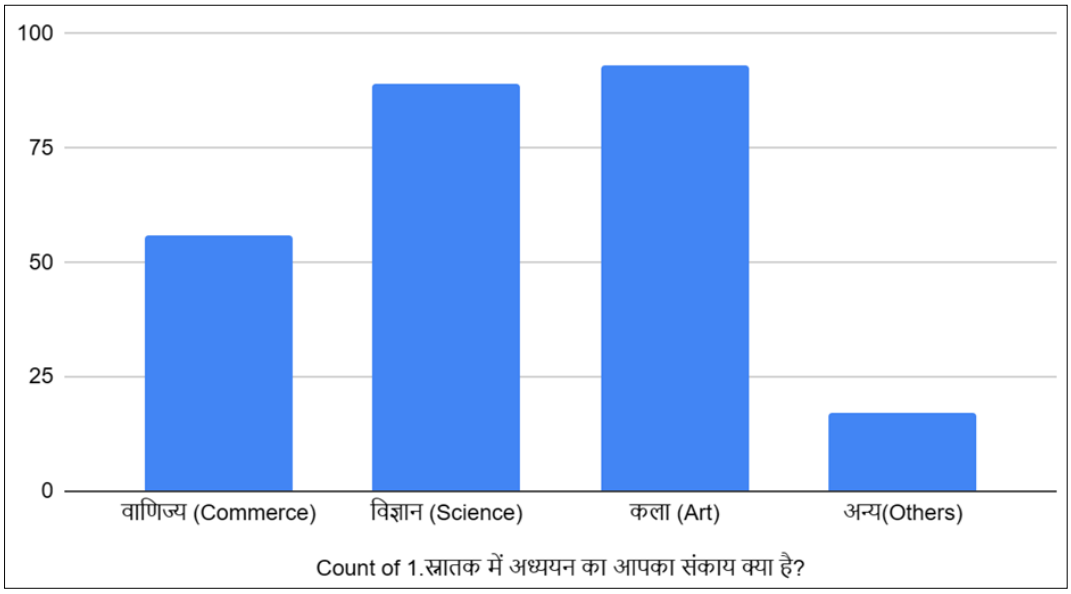

4. **क्या आपको कौशल विकास के बारे में जानकारी है?**

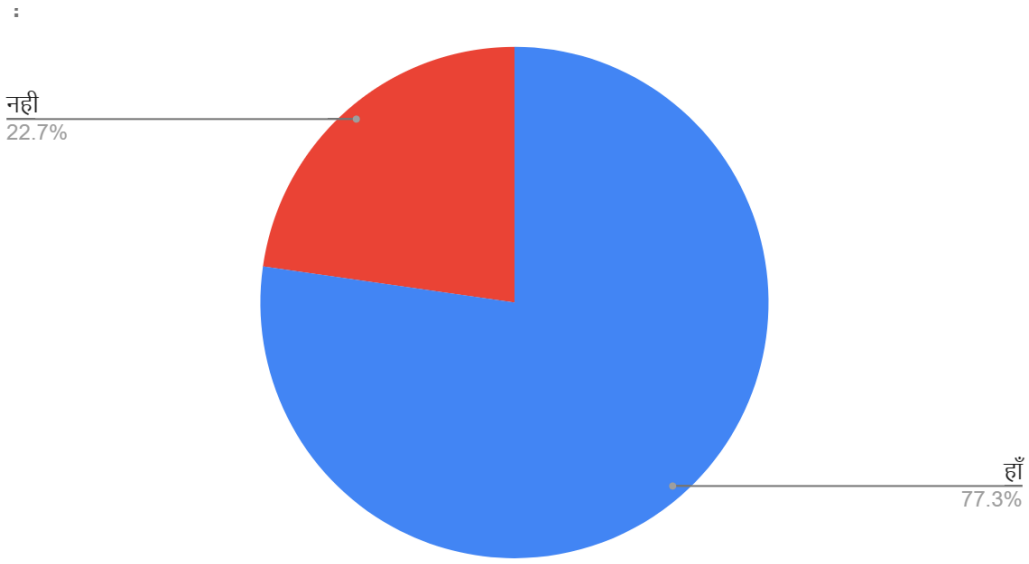

5. **आपको कौशल विकास कोर्स की जानकारी कहाँ से प्राप्त हुई?**

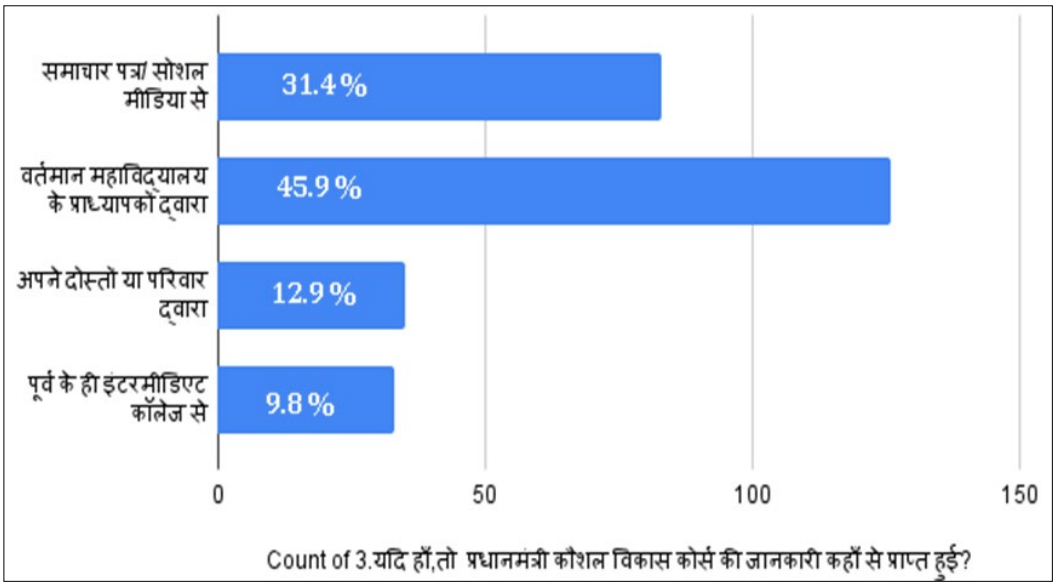

6. **क्या आप मानते हैं कि skilled workforce के लिए विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ किसी कौशल का भी ज्ञान आवश्यक है?**

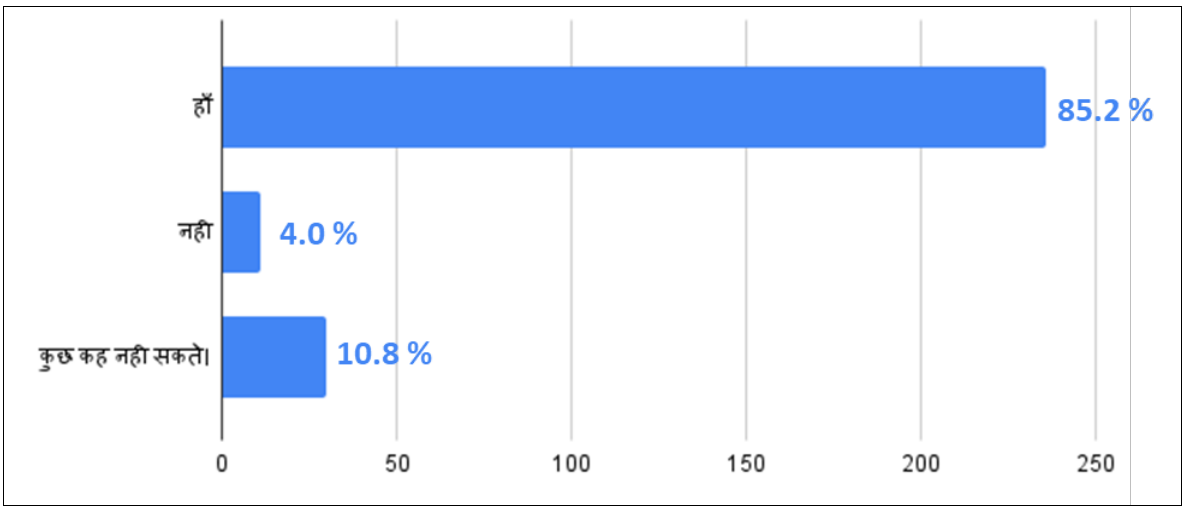

7. **क्या आपने अभी तक किसी कौशल विकास कोर्स का अध्ययन किया है?**

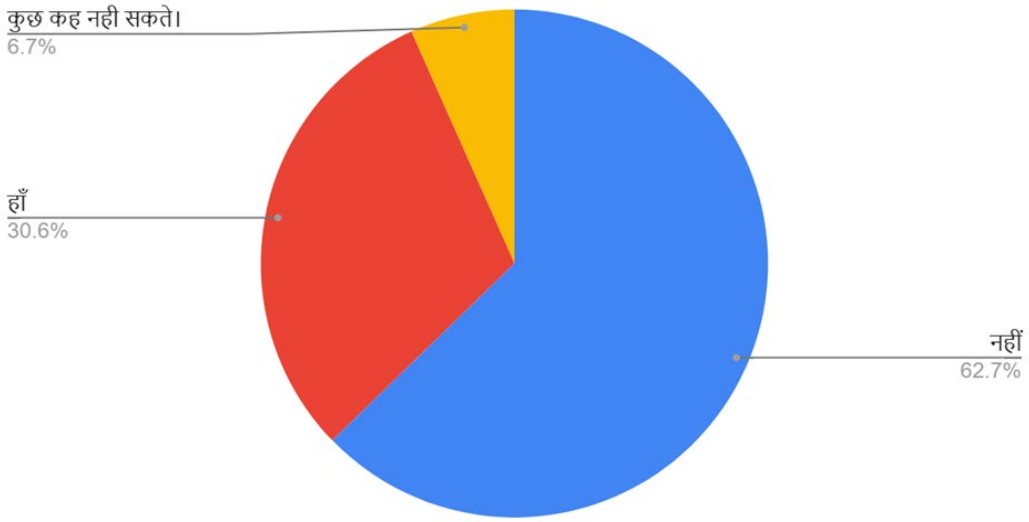

8. **क्या आपकी जानकारी में आपके परिवार या किसी परिचित बेरोजगार युवा ने विगत 2-3 वर्षों में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में किसी कौशल विकास कोर्स का अध्ययन किया है?**

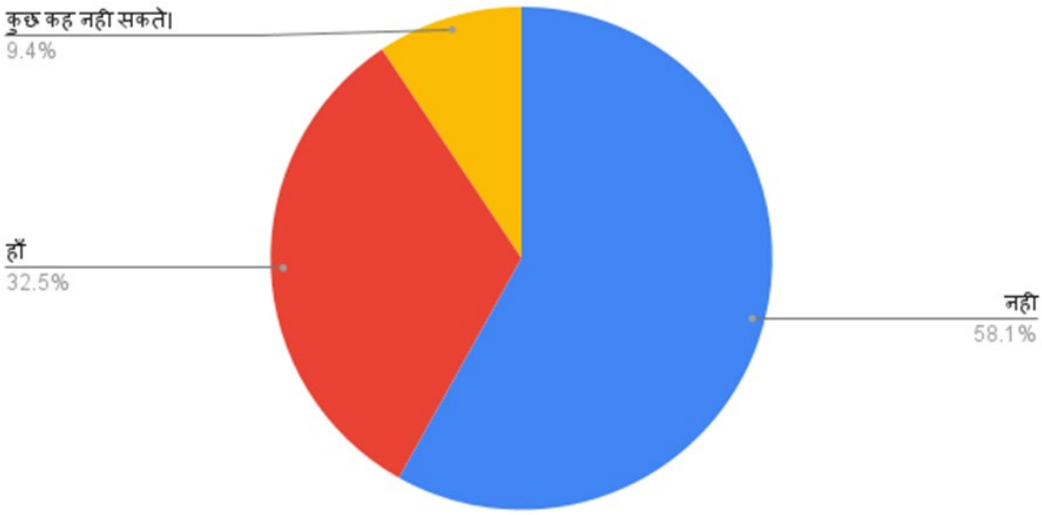

9. **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना क्या आपके क्षेत्र में भी संचालित है?**

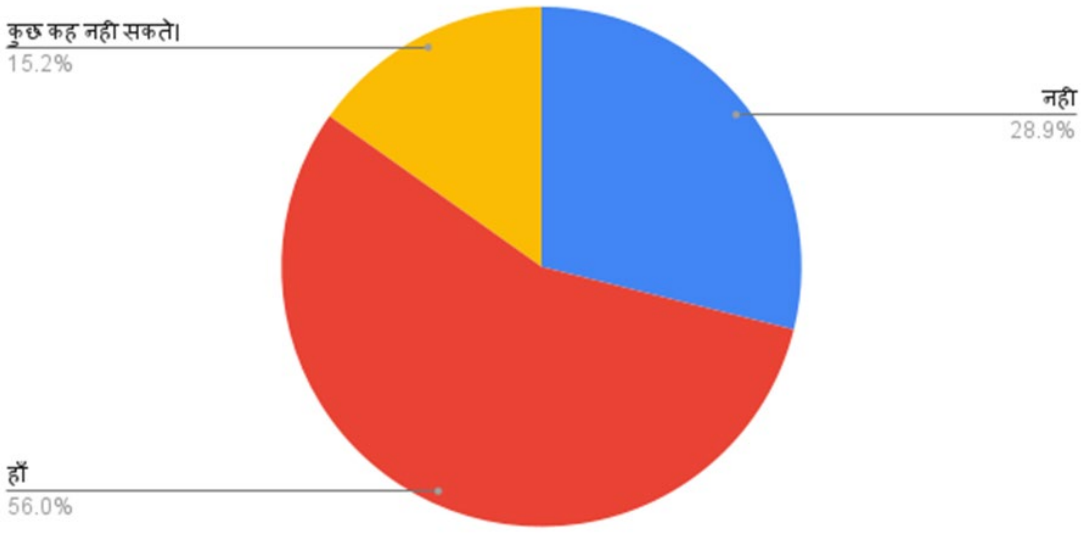

10. **प्रधानमंत्री कौशल विकास में पंजीकृत होने के लिए क्या ऑनलाइन आवेदन भी किया जा सकता है?**

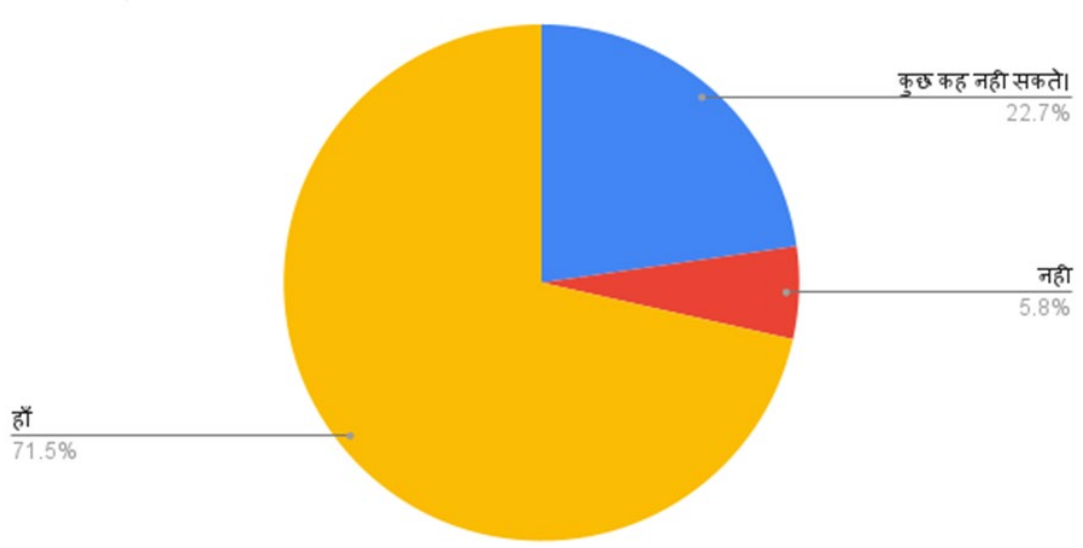

11. **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में लगभग कितने प्रकार के कोर्स संचालित होते हैं**

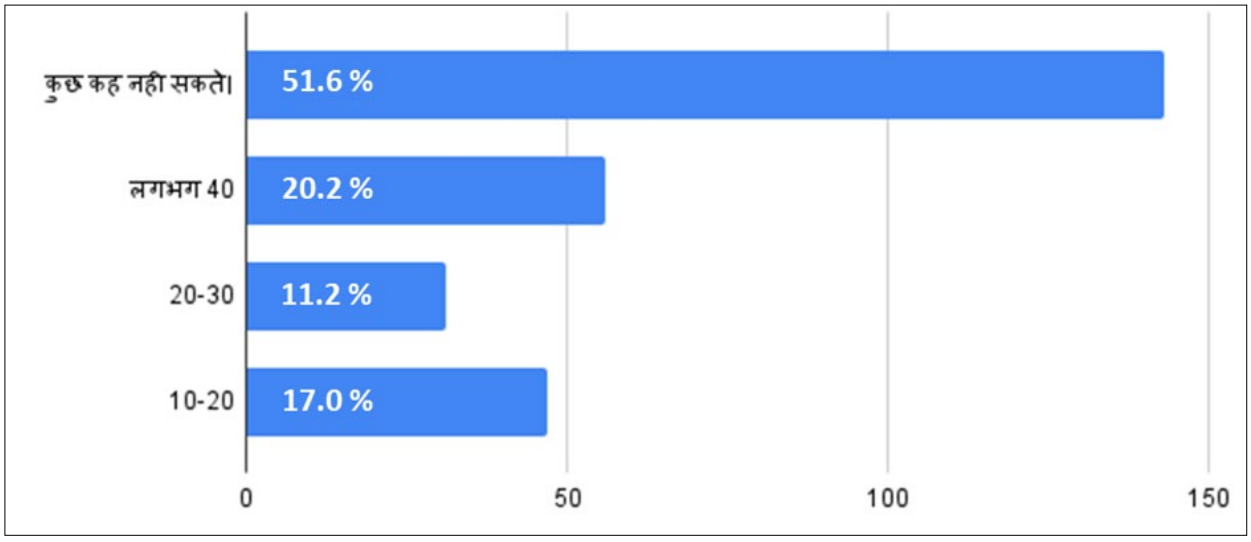

12. यह पुछे जाने पर कि आपने प्रधानमंत्री कौशल विकास केंद्र से किस कोर्स का व्यावसायिक ज्ञान प्राप्त किया है?
प्रतिदर्श के 48% उत्तरदाता युवा प्रधानमंत्री कौशल केंद्र से बिल्कुल भी नहीं जुड़े थे इसीलिए उन्होंने वहाँ से कोई कोर्स प्राप्त नहीं किया था ।

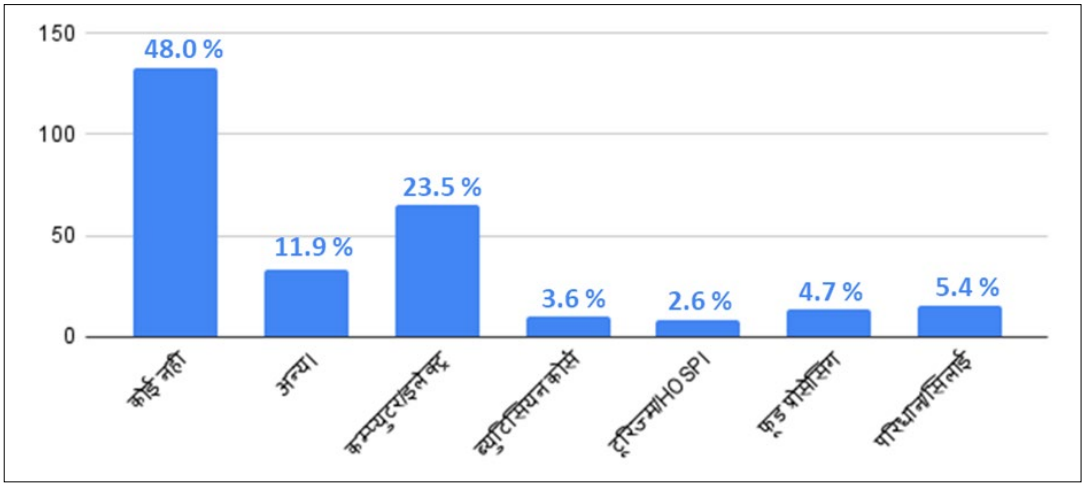

13. आप मानते हैं कि इस व्यावसायिक कोर्स के कारण आपको रोजगार की संभावना बढ़ गयी है?
हाँ
नही
कुछ कह नही सकते।

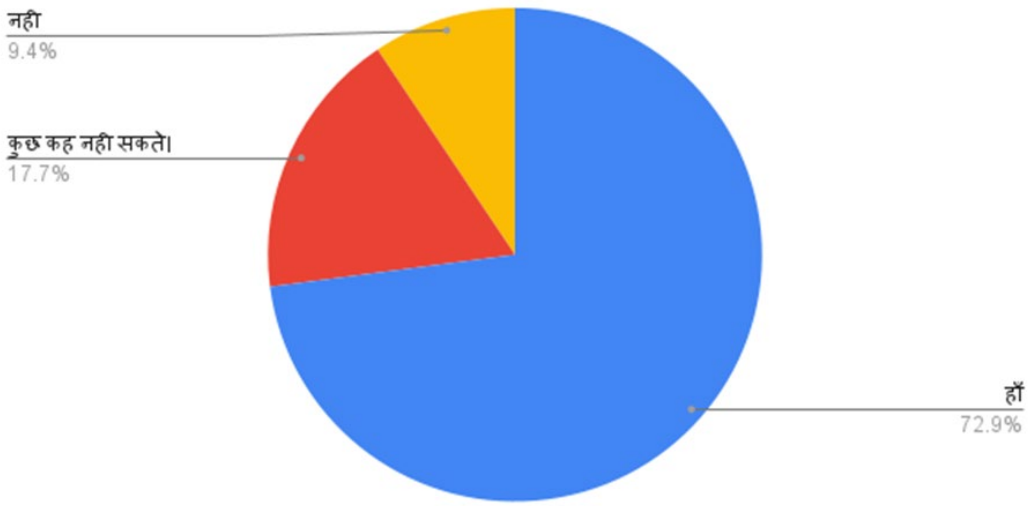

14. आप मानते हैं कि किसी व्यावसायिक कोर्स के कारण व्यक्ति की आय में वृद्धि हो सकती है?

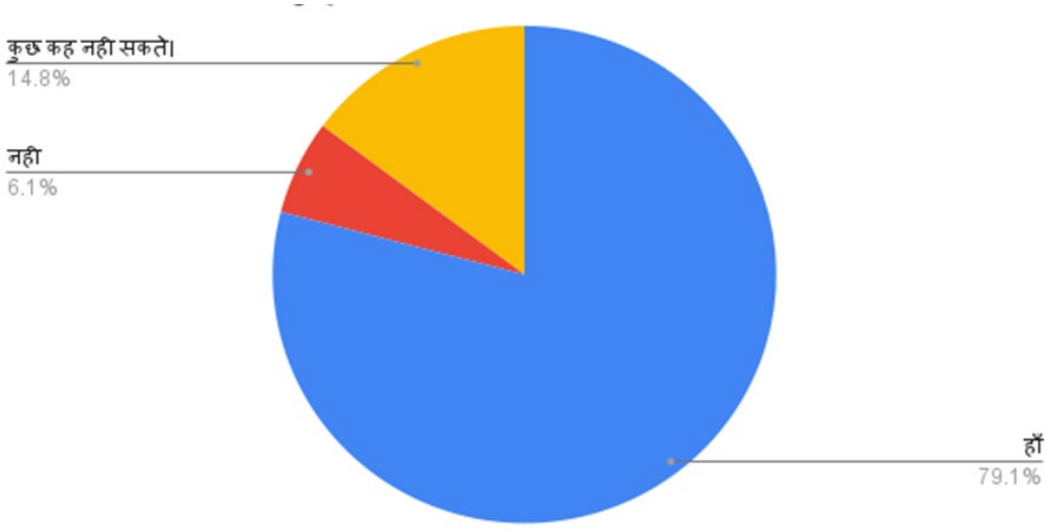

15. आप मानते हैं कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के कारण ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में स्वरोजगार के प्रति झुकाव बढ़ा है?

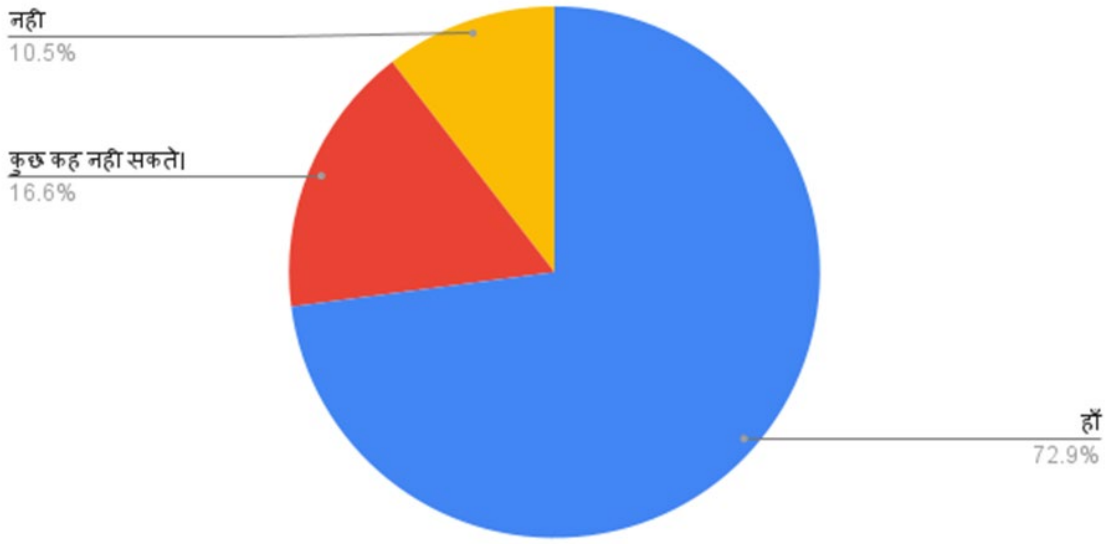

16. आप मानते हैं कि ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार युवा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का पूर्ण लाभ उठा पा रहे हैं?

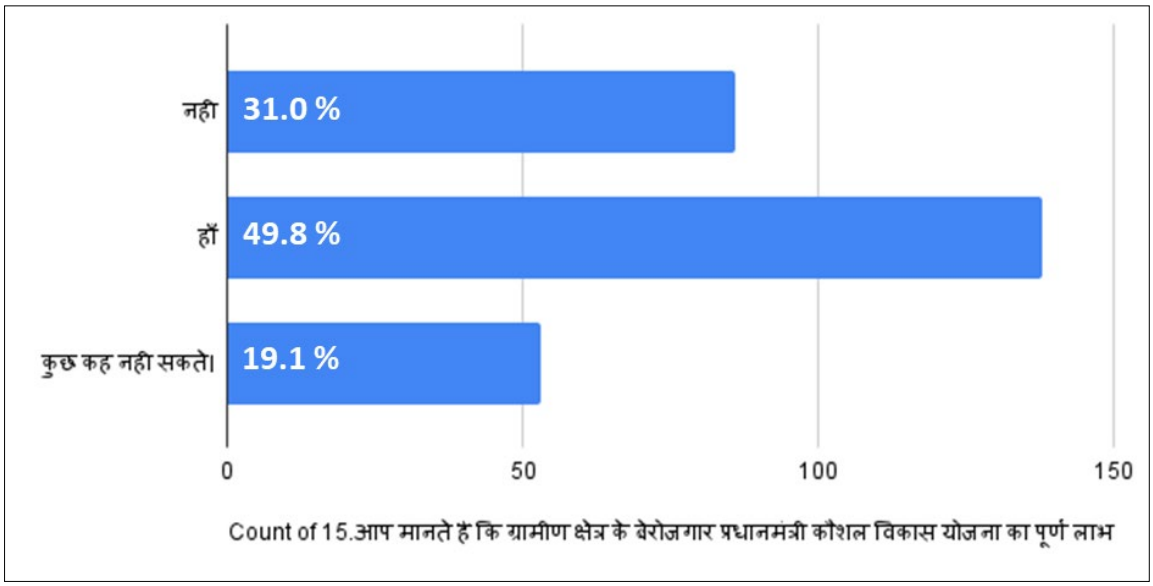

17. क्या आप मानते हैं कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से देश की कार्यशील जनसंख्या समृद्ध हो रही है?

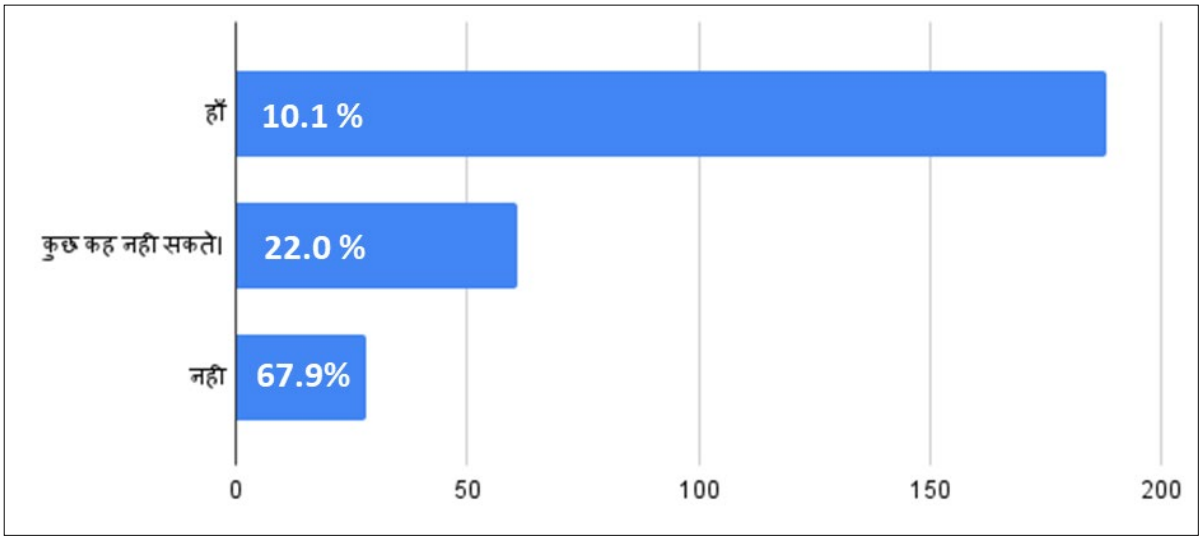

18. **क्या आप इस बात से सहमत हैं कि जनांकिकीय लाभांश (Demographic dividend) का अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना प्रभावशाली हो सकती है?**

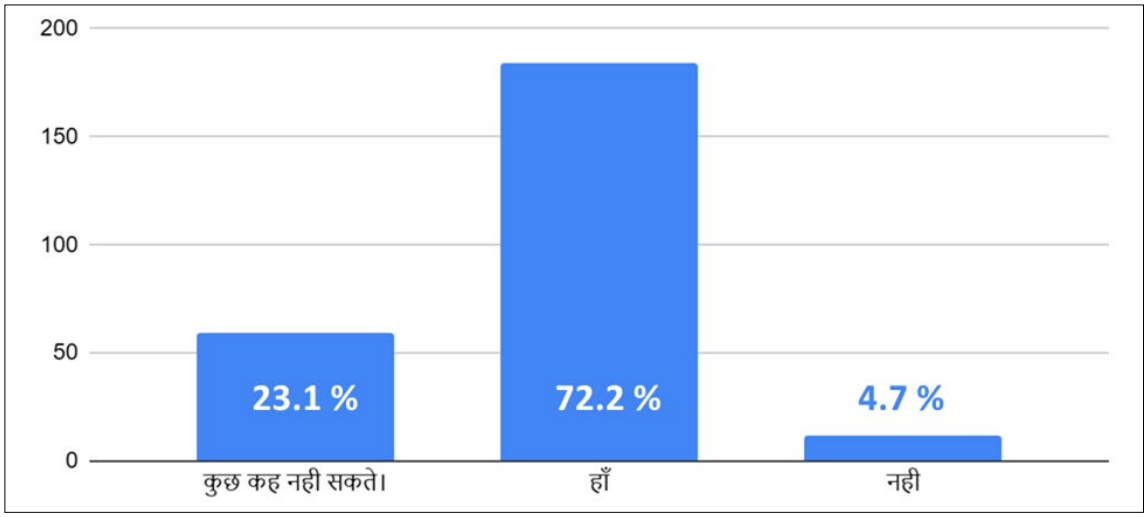

19. **क्या आप मानते हैं कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना देश की वेरोजगार युवा जनसंख्या को रोजगार उपलब्ध कराने में सफल रही है?**

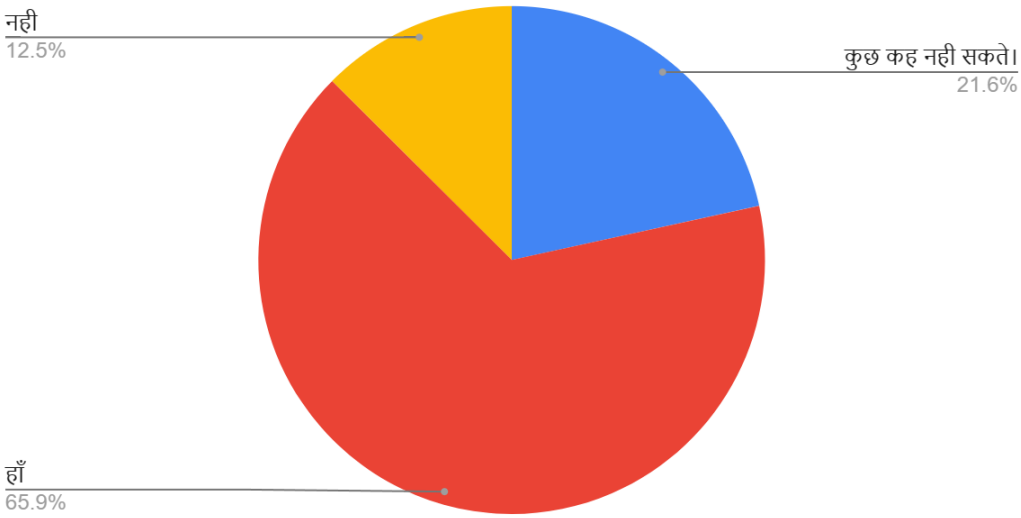

20. **क्या आप इस बात से सहमत हैं कि अभी भी देश के अधिकांश ग्रामीण वेरोजगार युवा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के प्रति उदासीन हैं?**

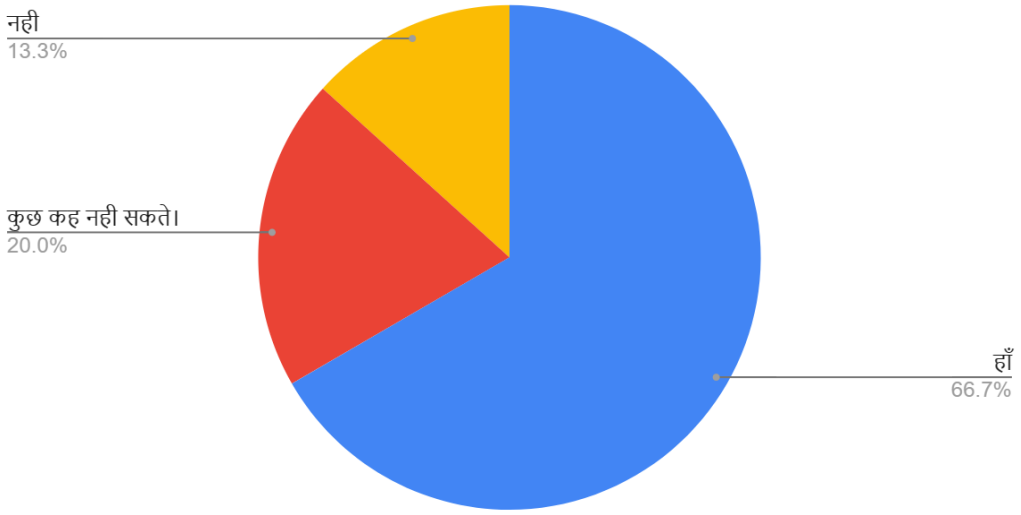

21. विज्ञान संकाय एवं कला संकाय के उत्तरदाताओं के द्वारा प्राप्त आंकड़ों से जो महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्राप्त हुआ वह यह था कि कला संकाय के 75.3% विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की जानकारी थी जबकि विज्ञान संकाय के 82% विद्यार्थी इस योजना से अवगत थे ।

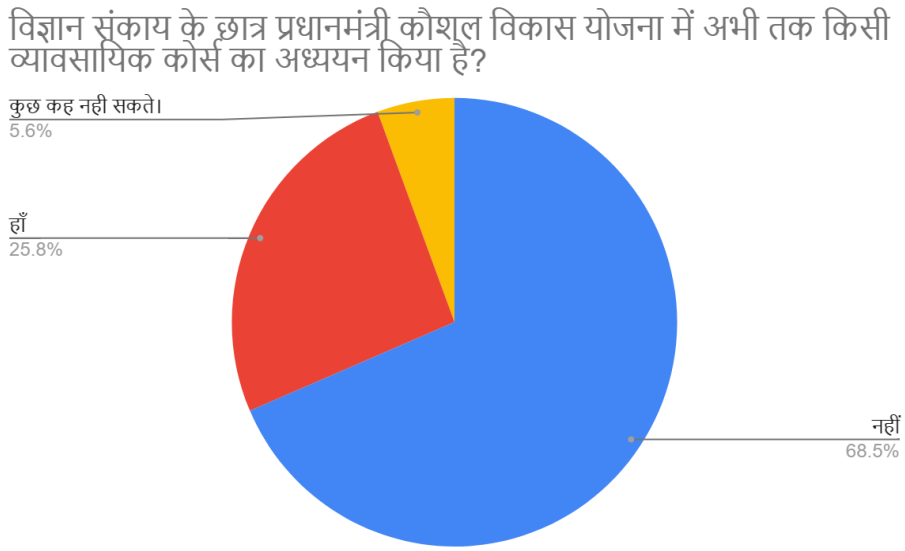

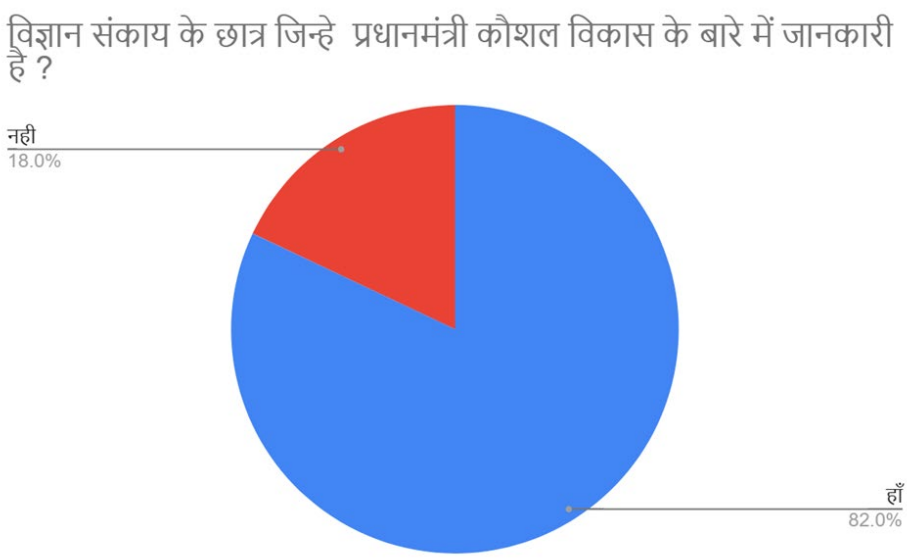

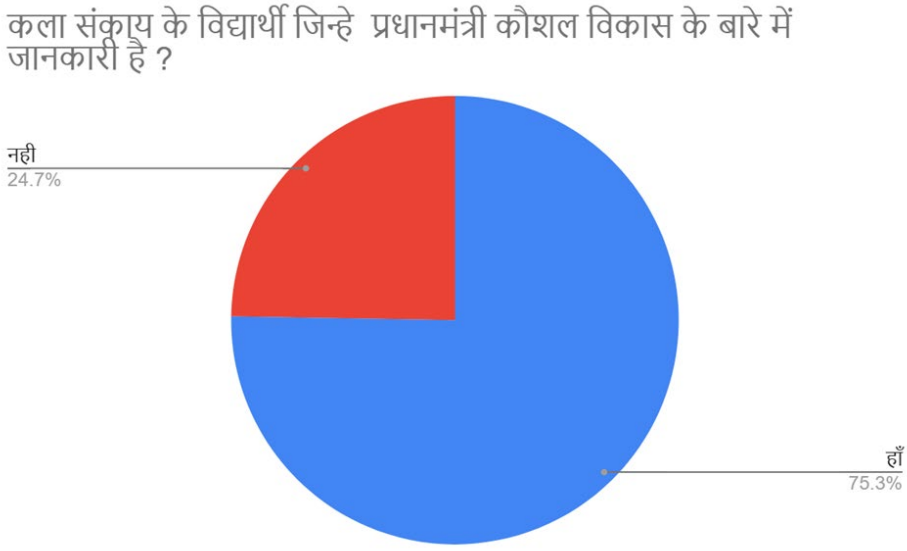

निष्कर्ष एवं सुझाव

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना देश की युवा पीढ़ी के लिये एक नई और महत्वपूर्ण सकारात्मक पहल है जिसका प्रमुख लक्ष्य युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार के अवसर सुलभ कराना है तथापि अध्ययन क्षेत्र के युवाओं में इसके प्रति उदासीनता ही ज्यादा परिलक्षित होती है। अध्ययन में दो तिहाई उत्तरदाता यह मानते हैं कि कौशल विकास की योजनाओं से देश की बेरोजगार युवा आबादी नियोजित होने में सफल हो पाती है और इससे जनांकिकीय लाभांश का बेहतर लाभ उठाया जा सकता है । 80% युवाओं का मानना है कि किसी व्यावसायिक कोर्स के प्रशिक्षण से व्यक्ति की आय में वृद्धि होती है परंतु केवल 58% युवा विद्यार्थी ही यह बता पा रहे हैं कि उनके यहाँ यह योजना संचालित है। यह योजना पूरे राज्य और भदोही में भी क्रियान्वित हो रही है। 85.2% विद्यार्थी यह स्वीकार करते हैं कि अध्ययन के साथ साथ विद्यार्थियों को कोई न कोई कौशल विकास का ज्ञान प्रदान करना आवश्यक है । एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी प्राप्त हुआ कि लगभग 46% विद्यार्थियों को कौशल विकास कोर्स की जानकारी अपने वेतमान महाविद्यालय के प्राध्यापकों से प्राप्त हुई जबकि अपने अध्ययन किये हुये इन्टर कॉलेज से जानकारी प्राप्त होने की बात मात्र 10% विद्यार्थी ही स्वीकार करते हैं । यह एक निराशाजनक तथ्य है कि जिस स्तर पर उन्हें प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, उसके प्रशिक्षण विधि व विभिन्न संचालित कोर्स की जानकारी हो जानी चाहिए थी वह नहीं हुआ।संभवतः इतनी बड़ी संख्या में जो विद्यार्थी कौशल विकास के बारे में जानते हैं उसका एक प्रमुख कारण महाविद्यालय स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन से होने वाली जागरूकता का परिणाम हो सकता है । इस अध्ययन के आधार पर सबसे महत्वपूर्ण सुझाव यह हो सकता है कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना जिसमें युवाओं को कौशल प्रशिक्षण सुनिश्चित करने की संकल्पना निहित है उसके व्यापक प्रचार प्रसार की आवश्यकता है । जनपद के हाईस्कूल से ऊपर के सभी शैक्षिक केंद्रों को प्रधानमंत्री कौशल विकास केंद्र से जोड़ने की आवश्यकता है। एक ऐसी समेकित अनलाइन प्रणाली बनाने की आवश्यकता है जिसमें हाई स्कूल में अध्ययनरत प्रत्येक विद्यार्थी का नामांकन हो और उसको प्राप्त होने वाली कौशल विकास कोर्स की भी जानकारी अद्यतन होनी चाहिए ।ग्रामीण भारत की बुनियादी लोकतान्त्रिक इकाई पंचायती राज संस्थाओं को भी इसमे सहभागी बनाकर सभी युवाओं को कौशल विकास कोर्स की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है । यद्यपि प्रातदर्श आकार, सीमित समय और क्षेत्र के दृष्टिगत इस अध्ययन की अपनी सीमाएँ है अतः इसके निष्कर्ष को और अधिक विस्तृत आधार में विश्लेषित करने की जरूरत है ।

संदर्भ सूची

1. Government of India Ministry of Labour and Employment Directorate General Employment and TraIning
2. Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana, pmkvyofficial org 04- 12-2015
   i) skillndian.gov.in
   ii) Financial Standard 13 July 2016
3. http//en.m.wikipedia.org/wiki/skill India
4. http://pradhanmantri-yojana.in/pradhan-mantri-kaushal-vikas yojana
5. https://pmkvyofficial.org/
6. https://www.hindiyojana.in/pradhan-mantri-kaushal-vikas- yojana-in-hindi
7. https://www.google.com/amp/s/m.economictimes.com/topic/PM KVY/amp
8. https//www.msde.gov.in
9. https://www.startupindia.gov.in/content/sih/ch/government- schemes/pmkvy scheme
10. www.deepawali.co.in/pm-kaushal-vikas-yojana-skill-development-scheme-in-hind
11. Ministry of Skill Development And Entrepreneurship - annual Report 2019
12. PMKVY Guidelines (2016-2020)